an>

Title: Need to stop printing of high value currency notes in the country.

श्री रोड़मल नागर (राजगढ़) ः आज हमारा देश विभिन्न प्रकार की समस्याओं से जूझ रहा है, जैसे आतंकवाद, नक्सलवाद, ड्रग्स तस्करी आदि समस्याएं विकराल रूप धारण करती जा रही हैं। इन गंभीर समस्याओं के खात्मे के लिए हमारी सरकार प्रतिवर्ष लगभग हज़ारों करोड़ रूपए खर्च कर रही है। वहीं दूसरी ओर बड़े मूल्य के नोटों के चलन से इन समस्याओं को रोकने में वांछित सफलता नहीं मिल पा रही है या दूसरे शब्दों में कहें तो इन सारी समस्याओं की जड़ बड़े मूल्य के नोट हैं तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। आज हमारे देश में 90 प्रतिशत नोट 500 और 1000 के छापे जा रहे हैं। बड़े नोटों का आसानी से गैर कानूनी इस्तेमाल इन देश विरोधी गतिविधियों को फलने-फूलने में किया जा रहा है। 500 और 1000 के नोट या कहें कि बड़े नोटों की वजह से भ्रष्टाचार और देश की सुरक्षा पर गंभीर संकट पैदा हो गया है। बड़े नोटों के छपने की वजह से राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा जाली नोटों का भी कारोबार बड़े पैमाने पर हो रहा है जो हमारे देश के लिए बड़ी समस्या का रूप धारण करता जा रहा है। आज हम देखते हैं कि जितने भी विकसित देश हैं जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, चीन आदि वहां बड़े मूल्य के नोट बहुत कम दिखाई देते हैं।

एडगर फिज ने कहा है कि एक तरफ तो सरकार देश के विकास के लिए टैक्स को ज्यादा से ज्यादा वसूलने पर ध्यान देती है, वहीं दूसरी ओर बड़े नोट छापती है जो टैक्स चोरी का बड़ा साधन बनता है। यही अपने आप में एक समस्या है।

इसलिए मैं सरकार से आग्रह करता हूँ कि राष्ट्रहित में जल्द से जल्द बड़े नोटों की छपाई को बंद किया जाए, जिससे देश के अंदर व्याप्त भ्रष्टाचार, नक्सलवाद, आतंकवाद और तस्करी जैसी गंभीर समस्याओं का समूल खात्मा किया जा सके।